सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 2 | अंक 21 | अजमेर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

पहलगाम आतंकी हमला : भारत ने पाकिस्तान को दिया जोर का झटका

नई दिल्ली। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए जघन्य आतंकी हमले में पाकिस्तानी तत्वों की भूमिका को देखते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर रोक लगाने अटारी वाघा एकीकृत सीमा जांच चौकी बंद करने पाकिस्तानी नागरिकों के भारत में प्रवेश पर रोक लगाने और उच्चायोगों में सैन्य सलाहकारों को हटाने का फैसला लिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की बैठक में ये निर्णय लिए गए। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व कैबिनेट सचिव डॉ टीवी सोमनाथन ने भाग लिया। बैठक करीब दो घंटे चली।

बैठक के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में इन फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आज शाम सुरक्षा पर कैबिनेट समिति सीसीएस की

बैठक हुई। सीसीएस को 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई थी जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए थे। कई अन्य घायल हो गए। सीसीएस ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद जताई।

मिस्री ने कहा कि दुनिया भर की कई सरकारों से समर्थन और एकजुटता की मजबूत अभिव्यक्ति मिली है जिन्होंने इस आतंकी हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की है। सीसीएस ने ऐसी भावनाओं के लिए अपनी प्रशंसा दर्ज की जो आतंकवाद के लिए शून्य सहिष्णुता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में आतंकी हमले के सीमा पार संबंधों को सामने लाया गया था। यह ध्यान दिया गया कि यह हमला केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव सफल होने और आर्थिक विकास और विकास की दिशा में इसकी निरंतर प्रगति के मद्देनजर हुआ है। उन्होंने कहा कि इस आतंकी हमले की गंभीरता को पहचानते हुए सीसीएस ने निम्नलिखित उपायों पर निर्णय लिया।

विदेश सचिव ने कहा सीसीएस ने समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी बलों को उच्च निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। इसने संकल्प लिया कि हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा के हालिया प्रत्यर्पण के साथभारत उन लोगों की खोज को लेकर कटिबद्ध होगा जिन्होंने आतंक के कृत्य किए हैं या साजिश में शामिल हैं।

1. 1960 की सिंधु जल संधि पर तत्काल प्रभाव से रोक होगी जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से अपना समर्थन नहीं छोड़ देता।
2. अटारी वाघा एकीकृत चेक पोस्ट तत्काल प्रभाव से बंद हो जाएगी। जो लोग वैध वीसा के साथ पाकिस्तान गए हैं वे एक मई से पहले उस मार्ग से लौट सकते हैं।
3. सार्क वीजा छूट योजना एसवीईएस वीजा के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाता है। एसवीईएस वीजा के तहत वर्तमान में भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को 48 घंटे में भारत छोड़ना होगा।
4. नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य/ नौसेना और वायु सलाहकार को अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया है। उनके पास भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय है। भारत इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग से अपने स्वयं के रक्षा/नौसेना/ वायु सलाहकारों को वापस ले लेगा। संबंधित उच्चायोगों में इन पदों को रद्द माना जाता है। सेवा सलाहकारों के पांच सहायक कर्मचारियों को भी दोनों उच्चायोगों से वापस ले लिया जाएगा।
5. उच्चायोगों में नियुक्तियों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 कर दिया जाएगा जो एक मई से प्रभावी होगी।

पहलगाम आतंकी हमले पर प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी की दहाड़

अब आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया, मिलेगी कल्पना से भी बड़ी सजा

मधुबनी। प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत की आत्मा पर हमला बताया और देश की 140 करोड़ आबादी की इच्छाशक्ति के संबल से दहाड़ते हुए कहा कि अब आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है और आतंकियों एवं साजिशकर्ताओं को ऐसी सजा मिलेगी जो उनकी कल्पना से भी बड़ी होगी।

मोदी ने गुरुवार को यहां झंझारपुर के लोहना पंचायत में पंचायती राज स्थापना दिवस पर आयोजित सभा में 13480 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है। देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी

मोदी ने बिहार की धरती से आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पूरी दुनिया को

एक सशक्त संदेश दिया और स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत हर उस आतंकवादी और उसके संरक्षक को पहचानेगा ढूंढेगा और सजा देगा जो देश की शांति और सुरक्षा को चुनौती देता है।

भारत आतंकवादियों को धरती के अंतिम कोने तक खदेड़ेगा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी और आतंकियों को उचित दंड मिलेगा। उन्होंने कहा मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों की जनता और नेताओं का आभार व्यक्त करता हूंए जो इस मुश्किल घड़ी में हमारे साथ खड़े हैं।

मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवार के लोगों का अभी इलाज चल रहा है वे जल्द स्वस्थ्य हों इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया और किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। उनमें से कोई बंगला बोलता था कोई कन्नड़ बोलता था कोई मराठी था कोई ओड़िया था कोई गुजराती था और कोई बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख एक जैसा है। हमारा आक्रोश एक जैसा है।

इस मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, जीतनराम मांझी, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, गिरिराज सिंह, चिराग पासवान, बिहार के दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झाए बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ.दिलीप जायसवाल समेत अन्य मंत्री जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पहलगाम आतंकी हमले के संदिग्धों के स्केच जारी, 20 लाख रुपए का इनाम घोषित

श्रीनगर। सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू.कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकी हमले में शामिल तीन संदिग्ध आतंकवादियों के स्केच बुधवार को जारी किये और राज्य पुलिस ने हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराने में मदद करने वाली सूचना देने वाले को 20 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की।

पहलगाम के बैसरन घास के मैदान में मंगलवार को हुए इस जघन्य हमले में 27 पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी सहित 28 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि इस कायरतापूर्ण हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराने में मदद करने वाली कोई भी सूचना देने वाले को 20 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस ने जानकारी देने के लिए फोन नंबर भी साझा किए।इस बीच जांच से जुड़े शीर्ष अधिकारियों ने खुलासा किया कि हमलावरों में से कम से कम एक स्थानीय हो सकता है। शुरुआती जांच से पता चला है कि इस घातक हमले में तीन से चार आतंकी शामिल थे। उन्होंने कहा कि हमले के समय घटनास्थल पर मौजूद जीवित बचे लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर स्केच तैयार किए गए हैं। जांचकर्ताओं का मानना है कि सेना की वर्दी पहने हमलावरों ने हमला करने से पहले इलाके की टोह लेने में स्थानीय लोगों की मदद ली होगी।

सूत्रों ने बताया कि हमलावर किश्तवाड़ से सीमा पार कर किसी स्थानीय आतंकी या हैंडलर की मदद से कोकरनाग के रास्ते बैसरन पहुंचे। पुलिस ने इलाके के कई स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की है लेकिन अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है। पाकिस्तान स्थित लश्कर.ए.तैयबा के एक प्रतिनिधि द रेजिस्टेंस फ्रंट ;टीआरएफ ने हमले की जिम्मेदारी ली है। सूत्रों ने बताया कि घटनास्थल से बरामद कारतूसों से पता चलता है कि आतंकवादी असॉल्ट राइफलों और कम से कम एक अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन से लैस थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस फिलहाल जांच का नेतृत्व कर रही है जिसने पहलगाम थाने में पहले ही प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अधिकारियों ने बताया कि मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ;एनआईए को सौंपे जाने की संभावना है। एनआईए की एक टीम ने बुधवार को अनंतनाग जिले में हमले की जगह का दौरा किया और स्थिति का आकलन किया तथा प्रारंभिक साक्ष्य भी एकत्र किये।इस बीच बैसरन घास के मैदान के पास घने जंगलों में बुधवार को भी बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान जारी रहा। सेना, पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और पैरा कमांडो की संयुक्त टीमें हमले में शामिल आतंकवादियों की तलाश कर रही हैं।

सम्पादकीय

पहलगाम में जब लोगों का धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी गयी तो इसे आतंकी घटना कहेंगे या जिहादी हमला

जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता उनसे यह भी पूछा जाना चाहिए कि आतंकवादियों के नाम एक खास धर्म से संबंधित क्यों होते हैं जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता उनसे पूछा जाना चाहिए कि पहलगाम में मासूम पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद क्यों मारा गया जम्मू.कश्मीर के पहलगाम में हंसते खेलते माहौल में एकाएक मातम छा जाने से हर भारतीय का दिल भर आया है। 28 पर्यटकों के मारे जाने की घटना बड़ी दुखद है लेकिन यह देखना भी दुखद है कि इस हमले की कुछ लोग सही से निंदा भी नहीं कर पा रहे हैं। जिस घटना में लोगों का धर्म पूछ पूछ कर मारा गया हो उसे आतंकवादी घटना कहा जा रहा है जबकि यह सीधा सीधा जिहाद का मामला लगता है क्योंकि पर्यटकों का धर्म पूछ कर उन्हें गोली मारी गयी। यही नहीं हर मोर्चे पर विफल संयुक्त राष्ट्र को देखिये उसके महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने पहलगाम के घटनाक्रम को सशस्त्र हमला बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र को नहीं पता कि सशस्त्र हमले और आतंकवादी या जिहादी हमले में क्या फर्क होता हैघ् इसके अलावा कश्मीर को लेकर अपना प्रोपेगेंडा चलाने वाला अंतरराष्ट्रीय मीडिया 26 भारतीयों की मौत पर भी अपना खेल जारी रखे हुए है। यकीन ना हो तो बीबीसी की खबर देखिये जिसकी हेडलाइन **Shock and anger after gunmen kill 26 tourists in Indian-administered Kashmir**,क्या गनमैन और आतंकवादी या जिहादी के बीच का फर्क बीबीसी को नहीं पता हा् अल जजीरा की खबर को देखिये उसकी हेडलाइन है. **Kashmir attack live: India searches for gunmen after 26 killed in Pahalgam**, सवाल उठता है कि क्या इन मीडिया संस्थानों को यह समझाना पड़ेगा कि गनमैन या आतंकवादी अथवा जिहादी के बीच क्या फर्क होता हैघ

इसके अलावाए जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता उनसे यह भी पूछा जाना चाहिए कि आतंकवादियों के नाम एक खास धर्म से संबंधित क्यों होते हैं जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता उनसे पूछा जाना चाहिए कि पहलगाम में मासूम पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद क्यों मारा गयाक्यों उनसे कलमा पढ़ने को कहा गया और कलमा नहीं पढ़ पाने पर उन्हें गोली मार दी गयी सवाल उठता है कि क्यों किसी पर्यटक की पैंट उतार कर यह जांचा गया कि उसका खतना हुआ है या नहीं क्यों खतना नहीं पाये जाने पर उसे गोली मार दी गयी।

देखा जाये तो आतंकवाद का कोई धर्म होता हो या नहीं लेकिन अपने आसपास के घटनाक्रमों पर ही गौर कर लें तो साफप्रतीत होता है कि आतंकवाद से सर्वाधिक पीड़ित धर्म हिंदू है। भारत में बहुसंख्यक होने के बावजूद हिंदुओं को गोली मार दी जाती है अपने घर से पलायन करने पर उन्हें मजबूर कर दिया जाता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की तो बात ही छोड़ दीजिये वहां तो अब उनके अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। बहरहाल पहलगाम मामले में एनआईए ने जांच का काम संभाल लिया है। लेकिन जरूरी है कि इस समूचे घटनाक्रम के पीछे मौजूद उद्देश्य को समझ कर सही कार्रवाई की जाये। हमारी एजेंसियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि आतंकवादी धर्म के आधार पर लोगों को मार कर गये हैं। हमारी एजेंसियों को इस बात का संज्ञान लेना चाहिए कि पीड़ित परिवारों ने बताया है कि आतंकवादियों ने उन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करने का आरोप लगाया है। देखा जाये तो यह सीधे सीधे भारत की चुनी हुई सरकार को चुनौती देने का मामला बनता है।

पूर्व जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी मंत्री महेश जोशी अरेस्ट

जल जीवन मिशन में करोड़ों के टेंडर में फर्जीवाड़े का आरोप, प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ के बाद लिया एक्शन

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व जन स्वास्थ्य अभियंत्रिक मंत्री महेश जोशी को जल जीवन मिशन घोटाले के सिलसिले में गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। ससे पहले जोशी से ईडी मुख्यालय में दिनभर पूछताछ की गई। कई बार नोटिस देने के बावजूद पेश नहीं होने पर आखिरकार जोशी दोपहर एक बजे अपने निजी सहायक के साथ ईडी कार्यालय पहुंचे जिसके बाद उन्हें दस्तावेजों के आधार पर लंबी पूछताछ के बाद अरेस्ट कर लिया गया। जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर जल के तहत चल रहे जल जीवन मिशन में बड़े स्तर पर टेंडर घोटाले का आरोप है। साल 2021 में श्याम ट्यूबवेल कंपनी और श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों के जरिए राजस्थान जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के टेंडर हासिल किए।इस कंपनी ने 68 निविदाओं में भाग लिया जिनमें से 31 टेंडर एल.1 के रूप में प्राप्त हुए। कुल राशि 859.2 करोड़ रुपए इस तरह श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी ने 169 निविदाओं में भाग लेकर 73 टेंडर में एल.1 के रूप में 120.25 करोड़ रुपए के टेंडर प्राप्त किए।सूत्रों के अनुसार ईडी की पूछताछ में महेश जोशी से उन दस्तावेजों के बारे में सवाल किए गए जो उन्हें श्री श्याम और श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनियों से जोड़ते हैं। ईडी के पास जोशी के उन ठेकेदारों के साथ वित्तीय लेन.देन और सिफारिशों से जुड़े सबूत मौजूद हैं जिनके माध्यम से फर्जीवाड़ा कर टेंडर प्राप्त किए गए।पहले एसीबी ने जांच शुरू की थी और कई भ्रष्ट अधिकारियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद ईडी ने अपनी स्वतंत्र जांच शुरू की और जोशी सहित कई अन्य के ठिकानों पर दबिश दी गई। फिर सीबीआई ने 3 मई 2024 को केस दर्ज किया और ईडी ने 4 मई को अपनी रिपोर्ट और सबूत एसीबी को सौंपे। यह मामला सामने आने के बाद अगस्त 2023 में एसीबी ने कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया था और सितंबर 2023 में एफआईआर दर्ज हुई। बाद में मई 2024 में केंद्र की अनुमति के बाद सीबीआई ने मामला दर्ज किया और अक्टूबर 2024 में एसीबी ने महेश जोशी समेत 22 लोगों के खिलाफएफआईआर दर्ज की।

महेश जोशी ने खुद को बताया बेगुनाह

महेश जोशी ने कहा कि मेरी पत्नी की हालत गंभीर है। मेरे खिलाफमामला दर्ज किया गया है। मैंने कोई अनियमितता नहीं की हैए मैंने किसी से पैसा नहीं लिया है। जिन लोगों के खिलाफ मैंने कार्रवाई की है उनके बयानों के आधार पर मेरे खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मुझे कानून पर पूरा भरोसा है और मुझे यकीन है कि मुझे न्याय मिलेगा।

अशोक गहलोत बोले ये राजनीतिक प्रतिशोध

महेश जोशी की गिरफ्तारी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण करार दिया है। गहलोत ने सोशल मीडिया पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी का एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट बन चुके ईडी द्वारा पूर्व मंत्री जोशी की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण है।उन्होंने कहा कि यह गिरफ्तारी ऐसे समय पर की गई है जब उनकी पत्नी करीब 15 दिन से जयपुर के एक अस्पताल में बेहोशी की हालत में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही हैं। उनकी इच्छा थी कि इस मुश्किल परिस्थिति से निकलने के बाद ईडी को बयान दें। उन्होंने कहा कि यह उन्हें भावनात्मक रूप से तोड़ने का प्रयास है जिससे उनसे मनमुताबिक बयान लिए जा सकें।

देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान समारोह 2025 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

जयपुर। देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में विश्व संवाद केन्द्र फाउंडेशन की ओर से इस साल भी प्रांत स्तरीय देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। पुरस्कार के लिए मीडिया की विभिन्न विधाओं में कार्य कर रहे पत्रकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित हैं इच्छुक पत्रकार गूगल फॉर्म https://forms.gle/H3jAuQQ59B7cEJPSA और मेल (devr-ishinarad. samman @gmail.com द्वारा अपनी प्रविष्टियां भेज सकते हैं। आवेदनकर्ता कृपया निम्नलिखित बिंदु ध्यान में रखें। यह पुरस्कार केवल 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच किए गए उनके मौलिक कार्यों के आधार पर ही प्रदान किया जाएगा। देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान के लिए आवेदक का कार्य क्षेत्र जयपुर प्रांत ;प्रशासनिक जिले. सीकर, चूरू, झुंझुनूं, अलवर, खैरथल तिजारा, कोटपूतली बहरोड़, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दोसा, टोंक, जयपुर, होना चाहिए।देश और समाज से सरोकार रखने वाले अपने कोई तीन सर्वश्रेष्ठ कार्यों की ही पेपर कटिंग वीडिया लिंक या अन्य डिटेल शेयर करें। समाचार स्टोरी आवेदनकर्ता की बायलाइन या सम्पादक द्वारा प्रमाणित हो। देवर्षि नारद सम्मान के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे पत्रकारों के नाम सुझाए भी जा सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम दिनांक 8 मई 2025 है। पुरस्कार निम्नलिखित श्रेणियों में प्रदान किए जाएंगे. 1 प्रिंट मीडिया 2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया 3 डिजिटल मीडिया

कांग्रेस नेता सहित आठ दोषियों को 10-10 वर्ष का कारावास

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने हत्या के प्रयास के करीब दस वर्ष पुराने मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुखराम खिलेरी सहित आठ दोषियों को बुधवार को 10-10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश आसिफ अंसारी ने पूर्व सरपंच एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुखराम खिलेरी, उनके पुत्र दीपक खिलेरी, भाई रामकुमार खिलेरी, सुनील खिलेरी, रामनारायण खिलेरी, राजेंद्र खिलेरी, बलवंत सहारण उर्फ मोटिया और सहीराम नायक को हत्या के प्रयास का दोषी करार देते हुए सभी पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी किया।यह मामला वर्ष 27 जुलाई 2015 का है। अभियुक्तों ने गांव के ही हरिकृष्ण पूनिया पर खेत में सिंचाई पानी को लेकर हुए विवाद में लोहे की छड़ गड़ासी और लाठियों से जानलेवा हमला किया था। जिससे पूनिया गंभीर रूप से घायल हो गए। सजा सुनाए जाने के बाद दोषियों को तत्काल जेल भेज दिया गया।

हनुमानगढ़ में एक करोड़ की अवैध शराब बरामद

हनुमानगढ़। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस राजमार्ग पर पुलिस ने पंजाब से गुजरात ले जाई जा रही एक करोड़ रुपए की अवैध अंग्रजी शराब बरामद की है।हनुमानगढ़ के पुलिस अधीक्षक अरशद अली ने बुधवार को बताया कि मुखबिर की सूचना पर ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो उसमें कुल अंग्रजी शराब की 546 पेटियां बरामद हुईं। इनमें रॉयल चैलेंज, रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल की कुल 6552 बोतलें थीं।

उन्होंने बताया कि इनकी मदद के लिये साथ जा रही एक क्रेटा गाड़ी को भी जब्त किया गया। ट्रक चालक अशोक विश्नोई और क्रेटा चालक ओम प्रकाश बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया गया है। अली ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि यह शराब वह पंजाब से लाए थे और गुजरात ले जा रहे थे।

आतंकवादियों और उनके आकाओं को मिलेगी उनके कृत्य की सजा-योगी

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादियों और उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें इस जघन्य कृत्य की कठोर सजा जल्द मिलेगी।पहलगाम में आतंकी हमले के शिकार शुभम द्विवेदी के पार्थिव शरीर को श्रद्धाजंलि अर्पित करने के बाद योगी ने परिजनों को ढाढस बंधाया और विश्वास दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति जीरो टालरेंस की नीति पर कायम है और पहलगाम में वीभत्स कायराना कृत्य को अंजाम देने वाले आतंकवादियों उनके आकाओं और साजिशकर्ताओं को उनके अंजाम तक जल्द पहुंचाएगी। योगी ने बाद में एक संक्षिप्त प्रेस वार्ता में कहा कि पहलगाम की घटना दर्शाती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। बहन बेटियों के सामने उनका सुहाग उजाड़ने वाले आतंकवादियों को जल्द ही उनके इस कृत्य की सजा मिलेगी। देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा है। केंद्र सरकार ने कल ही महत्वपूर्ण फैसले लिए है। आतंकवाद और उग्रवाद पर भाजपा सरकार जीरो टालरेंस नीति पर कायम है। इस कायराना कृत्य को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को जल्द ही उनके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।उन्होने कहा कि पूरी दुनिया ने पहलगाम के आतंकवादी हमले की निंदा की है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े रहने का संकल्प दोहराया है।योगी ने शुभम के पिताए पत्नी और अन्य परिजनों से मुलाकात कर उन्हें इस दुख की घड़ी में पूरी सरकार और प्रदेश के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। गौरतलब है कि महाराजपुर क्षेत्र के हाथीगांव निवासी शुभम की पहलगाम में उनकी पत्नी के सामने हत्या कर दी गई थी। उनका पार्थिव शरीर बुधवार देर रात यहां लाया गया।

शाह बानो का किरदार निभाएंगी यामी गौतम!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम सिल्वर स्क्रीन पर शाह बानो का किरदार निभाती नजर आ सकती है। इस साल 1985 के सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक

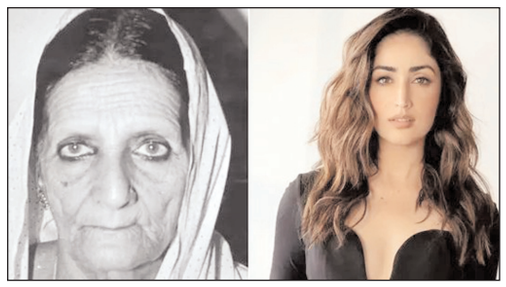

फैसले मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम को 40 साल पूरे हो रहे हैं। यह फैसला भारत के सबसे चर्चित और विवादित फैसलों में से एक रहा है।मध्य प्रदेश के इंदौर की शाह बानो बेगम को 1978 में उनके पति ने तलाक दे दिया था। इसके बाद शाह बानो ने सर्वोच्च न्यायालय में एक आपराधिक मुकदमा दायर किया जिसमें उन्होंने अपने पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार जीता। सात साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया।

चर्चा है कि शाह बानो केस और इसी जैसे अन्य मामलों से प्रेरित एक दमदार फीचर फिल्म पर काम चल रहा हैए जिसका निर्देशन सुपर्ण वर्मा कर रहे हैं। यामी गौतम और इमरान हाशमी इस फिल्म के मुख्य कलाकार हैं। चर्चा है कि इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में लखनऊ में पूरी हुई है। यह फिल्म यामी की आर्टिकल 370 के बाद अगली बड़ी सिनेमाई रिलीज़ मानी जा रही है।

माधुरी दीक्षित के साथ फिर काम करेंगी तृप्ति डिमरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी एक बार फिर माधुरी दीक्षित के साथ फिर

काम करती नजर आ सकती है। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी ने अनीस ब'मी की फिल्म भूल भुलैया 3 में स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। भूल भुलैया 3 के बाद तृप्ति और माधुरी एक कॉमेडी ड्रामा में फिर से साथ काम करने के लिए तैयार हैं।माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी विक्रम मल्होत्रा के प्रोडक्शन बैनर अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट के लिए एक कॉमेडी ड्रामा में स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी जिसका नाम फिलहाल मां बहन बताया जा रहा है। यह एक नेटफ्लिक्स ओरिजिनल है और अगले महीने मुंबई में फ्लोर पर जाएगी।

इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी कर रहे हैंए जिन्हें तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। यह फिल्म एक कॉमेडी.ड्रामा है जो तीन किरदार पर आधारित है। इस फिल्म की सबसे खास बात है इसकी कहानी जो एक मां और बेटी के रिश्ते को लेकर है। माधुरी जहां मां के किरदार में होंगी वहीं तृप्ति उनकी बेटी का रोल निभाएंगी। दोनों के बीच की नोक.झोंक प्यार तकरार और समझदारी इस फिल्म की जान होगी। चर्चा है कि इस फिल्म में रवि किशन और कॉमेडियन धारणा दुर्गा की भी अहम भूमिका होगी।

प्रतापगढ़ का आर्य कुलम शिक्षण संस्थान सीज

प्रतापगढ़। राजस्थान में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर प्रतापगढ़ जिले में एक निजी स्कूल में चार साल के मासूम छात्र के हाथ पैर बांधकर मारपीट के मामले में बुधवार को आर्य कुलम शिक्षण संस्थान को सीज कर दिया गया।दिलावर के निर्देश के बाद जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक प्रतापगढ़ महेश चंद आमेटा इस विद्यालय पहुंचे और इसकी जांच की। जांच में विद्यालय में भारी अनियमितताएं मिली। जिनमें मुख्य रूप से विद्यालय बगैर मान्यता के संचालित किया जाना पाया गया। जिस पर आमेटा ने विद्यालय को सीज करने की कार्यवाही की। आमेटा ने बताया कि विद्यालय की मान्यता गत वर्ष ही खारिज कर दी गई थी परंतु विद्यालय संचालकों ने बगैर मान्यता के ही स्कूल चला रहे थे जो नियम विरुद्ध है।

उल्लेखनीय है कि प्रतापगढ़ शहर के जीरो माइल चौराहा स्थित आर्य कुल शिक्षण संस्थान में एक चार वर्षीय मासूम बालक के साथ मारपीट का मामला सामने आने के बाद माता.पिता ने कोतवाली थाना पुलिस में 22 मार्च को प्रिंसिपल निर्मल कुंवर, मैनेजमेंट कर्मी संगीता कुंवर और संचालक लोकेंद्र सिंह के खिलाफमामला दर्ज कराया था। इसके बाद 20 अप्रैल को निर्मल कुंवर को इस मामले में गिरफ्तर किया गया।

कोटा में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र का शव बरामद

कोटा। राजस्थान में कोटा शहर के कुन्हाडी थाना क्षेत्र में रेलवे लाईन के पास झाडियों में पुलिस ने गुरूवार को एक छात्र का शव बरामद किया। पुलिस ने बताया कि

थाना क्षेत्र में रेलवे लाईन के पास झाडियों में एक युवक का शव पडा देखकर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि मृतक छात्र की पहचान दिल्ली के तुगलकाबाद के रहने वाले रोशन शर्मा ;23 के रूप में हुई है। मृतक छात्र यहां एक हास्टल में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था।पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया छात्र ने विषाक्त सेवन कर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक छात्र के परिजनों को सूचना दे दी है। उनके पहुंचने के बाद ही पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जाएगी।

भीलवाड़ा में हत्या आरोपी दीपक नायर के घर पर मिले दो और शव बचपन के दो दोस्तों की बेरहमी से हत्या

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा शहर की रमा विहार कॉलोनी में एक मंदिर के चौकीदार की हत्या करने से ठीक पहले आरोपी दीपक नायर ने अपने घर में बचपन के दो दोस्तों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। पुलिस ने दोनों शव गुरुवार दोपहर आरोपी के घर से कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार ये तीनों ही हत्याएं कातिल ने एक ही तरीके से की है। पुलिस के अनुसार रमा विहार कॉलोनी में अय्यपा मंदिर के चौकीदार मलाण निवासी लाल सिंह रावणा ;54 की बुधवार रात मंदिर परिसर में ही बेरहमी से हत्या कर उनके प्राईवेट पार्ट काट दिये थे। इस वारदात के एक घंटे बाद ही पुलिस ने कातिल को गिरफ्तार कर दिया था। यह आरोपी मूलतया केरल का रहने वाला है जो अभी बापूनगर में रहता है। पुलिस पूछताछ के बाद आरोपी दीपक के घर से चौकीदार की हत्या के दौरान काम में ली गई मोटरसाईकिल जब्त करने आज दोपहर उसके घर पहुंची। जहां मकान से बदबु आ रही थी। ऐसे में सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने प्रताप नगर पुलिस को सूचना दी।पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मकान को खुलवाया तो अंदर का नजारा देखकर पुलिस भी सकते में आ

गई। इस मकान के हॉल में दों शव मिले। शव बूरी तरह क्षत.विक्षत हालत में थे। इनमें से एक का प्राईवेट पार्ट कटा हुआ था। सिर बिखरे हुए थे। खून फैला हुआ था। प्रताप नगर पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया।

पुलिस ने बताया कि दीपक नायर के घर में मिले शव उसी के बचपन के दोस्त संदीप भारद्वाज और मोनू टांक के बताए गए हैं। इन दोनों की हत्या भी चौकीदार की हत्या से पहले आरोपित दीपक नायर ने कर दी।

भरतपुर में पटवारी 4000 रुपए की रिश्वत लेते अरेस्ट

भरतपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी ने भरतपुर जिले के पटवारी हल्का चक नम्बर तीन के पटवारी तुलाराम को एक मामले में चार हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए बुधवार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

ब्यूरो के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी धौलपुर को शिकायत मिली कि आरोपी द्वारा परिवादी के मकान के हैसियत प्रमाण.पत्र के प्रार्थना.पत्र पर रिपोर्ट करने की एवज में पांच हजार रूपए की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है।

इस पर सत्यापन के दौरान आरोपी परिवादी से इस मामले में चार हजार रुपए की रिश्वत लेने पर सहमत हुआ।इसके बाद ब्यूरो टीम ट्रैप कार्यवाही करते हुए आरोपी तुलाराम को परिवादी से चार हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया और उससे रिश्वत के चार हजार रुपए बरामद कर लिए गए। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है।

अब आतंकवादियों को चुन चुन कर मारने का आ गया वक्त - नसरुद्दीन चिश्ती

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में स्थित विश्व प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह दीवान के बेटे एवं ऑल इंडिया सूफी सज्जादनशीन काउंसिल के चेयरमैन नसरुद्दीन चिश्ती ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि अब वक्त आ गया हैं कि आतंकवादियों को चुन चुन कर मारा जाना चाहिए। चिश्ती ने मंगलवार रात अपने बयान में कहा कि मजहब पूछ कर पर्यटकों को मारा गया इससे ज्यादा इंसानियत शर्मसार कहां होगी। इन आतंकवादियों को चुन-चुन कर मारने का वक्त आ चुका है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भी मजहब पूछ कर हमला किया यह जानवरों से भी बदतर हरकत है। उन्होंने केन्द्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि अब वक्त आ गया है इन्हें खत्म किया जाए और इनको इन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीर जो वापस शांति और तरक्की की तरफआगे बढ़ रहा थाए उसे खराब करने की साजिश रची जा रही है।मजहब के नाम पर जो आतंक फैलाया जा रहा है कोई भी मजहब इसकी इजाजत नहीं देता है। इस्लाम में इस तरीके के आतंकवाद की जरूरत नहीं है और बेगुनाहों को मारने के लिए कोई जगह नहीं है। ये सबसे बड़े गुनहगार हैं। इन आतंकवादियों को चुन चुन कर मारने की जरूरत है अब यह वक्त आ चुका है।

अजमेर की अन्वी सिंह को अंतर्राष्ट्रीय हार्टफुलनेस निबंध लेखन में छठा स्थान

अजमेर। हार्टफुलनेस संस्थान अजमेर की समन्वयक अमिन्दर कौर मेक ने बताया कि हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट श्री रामचंद्र मिशन तथा कॉमनवेल्थ संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय निबंध लेखन में सोफिया स्कूल अजमेर की छात्रा अन्वी सिंह ने अंग्रेजी भाषा में छठा स्थान प्राप्त किया है।अन्वी सिंह डॉ. पार्थ सिंह तथा डॉ.. आरती सिंह की सुपुत्री हैं। इन्हें हार्टफुलनेस संस्थान की ओर से पदक व सर्टिफिकेट दिया जा रहा है। निबंध लेखन कार्यक्रम 33 साल से हॉर्टफुलनेस संस्थान लगातार करवा रहा है। इसमें देश.विदेश के करीब 25000 संस्थान के लाखों विद्यार्थी भाग लेते हैं। संस्थान इसके अलावा ध्यान, योग, एजुकेशन, कृषि तथा आयुर्वेदिक चिकित्सा क्षेत्र में भी कार्यरत है। हार्टफुलनेस के ग्लोबल गाइड पद्म भूषण कमलेश पटेल हैं।

Millers for Nutrition, Fortify Health, and The Akshaya Patra Foundation Unite to Improve Nutrition in India

Millers for Nutrition, a coalition of key food fortification stakeholders dedicated to helping millers fortify staple foods, is proud to announce a partnership with Fortify Health and The Akshaya Patra Foundation, an implementing partner of the PM POSHAN program, to supply fortified wheat flour to 3416 schools in Gujarat.

The flour will be used to make meals for over 400,000 children.Millers for Nutrition, Fortify Health, and The Akshaya Patra Foundation join hands together for nutritious mealsAs part of this initiative, millers including Century Industries (Ahmedabad), Shakti Food Industries (Bhuj), Achyut Cereals & Pulses (Jamnagar), Shreeji Food Products (Vadodara), Momai Traders (Bhavnagar), and Giriraj Food Product (Surat) will collectively supply about 350 metric tons of fortified wheat flour every month to Akshaya Patra's centralized kitchens in these cities, ensuring a steady and nutritious food supply for students."Millers for Nutrition is proud to partner with Fortify Health and The Akshaya Patra Foundation to enhance nutrition in India," said Monojit Indra, Senior Practice Lead, TechnoServe. "Together, we can make a meaningful impact on the health and well-being of millions of children across the country."

हरियालो राजस्थान के तहत इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदेश में शुरु किए गए हरियालो राजस्थान अभियान के तहत इस वित्त वर्ष में दस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा ने बुधवार को शासन सचिवालय में इस अभियान के तहत इस वर्ष किए जाने वाले वृक्षारोपण के कार्यों की तैयारियों के सम्बन्ध में आयोजित समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य राज्य को हरित स्वच्छ और जलवायु अनुकूल बनाना है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं ताकि वृक्षारोपण के कार्य समयबद्ध एवं सफलता पूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को केवल एक लक्ष्य की पूर्ति न मानते हुए प्रत्येक पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षण देने की जिम्मेदारी के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से लगाए गए प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग की जाएगी जिससे उनकी निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी समय रहते इस एप्लिकेशन का प्रशिक्षण प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि इस अभियान को नवाचार आधुनिक तकनीकों और जनसहभागिता के माध्यम से जनांदोलन बनाया जाए। नदियों के किनारों औद्योगिक क्षेत्रों में अपशिष्ट जल के आसपास विद्यालयों अस्पतालों तथा नगरीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवार जलवायु और मिट्टी की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए जीवित रहने की अधिक संभावना वाले पौधों का चयन किया जाए। साथ ही पौधों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने के लिए नर्सरियों को भी अग्रिम रूप से तैयार किया जाए।

बैठक में बताया गया कि इस अभियान को जनसामान्य से जोड़ते हुए सामाजिक संगठनों शैक्षणिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी ताकि यह महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर जनांदोलन बने।

एबीवीपी ने केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति का पुतला फूंका

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अजमेर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अजमेर महानगर इकाई ने केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान में व्याप्त विभिन्न समस्याओं व छात्रों के निलंबन के विरोध में कुलपति का पुतला दहन कर अभाविप के प्रदेश मंत्री जितेंद्र लोधा के नेतृत्व में प्रदर्शन कर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

अजमेर महानगर मंन्त्री राजेन्द्र कालस ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान प्रशासन की ओर से जारी 300 मीटर विरोध.प्रतिबंध आदेश तथा छात्र कार्यकर्ताओं के निलंबन संबंधी ऑफिस आदेश पर परिषद तीव्र रोष व्यक्त करती हैं। यह प्रतिबंधित क्षेत्र आदेश न सिर्फ छात्र समुदाय की आवाज़ दबाने का प्रयास है बल्कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1) क और 19(1) ख द्वारा प्रदत्त मूलभूत अधिकारों ;अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं शांतिपूर्वक एकत्र होने का अधिकार का भी खुलेआम उल्लंघन है। ज्ञापन में बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्रवाई स्पष्ट तौर पर पक्षपातपूर्ण है। एक ओर राष्ट्रवादी चिंतन से जुड़े छात्र को कठोर दंड देकर पूरे अध्ययनकाल के लिए छात्रावास से निष्कासित किया गया है वहीं दूसरी ओर ऐसे कई तत्व जो परिसर में भ्रष्टाचार या राष्ट्र.विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं उनपर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। यह दोहरा मापदंड विश्वविद्यालय के अनुशासनात्मक ढांचे को कलंकित करता है। प्रशासन जिन छात्रों को दोषी ठहराकर दंडित कर रहा है उनके विरुद्ध निर्णय लेने वाली समितियों में भी निष्पक्षता का अभाव नज़र आता है। जब सुन्नी स्टूडेंट फेडरेशन के छात्र भारत सरकार विरोधी प्रतिबंधित बीबीसी डॉक्युमेंट्री दिखाते हैंए तो उन्हें केवल 14 दिन का निलंबन मिलता है जबकि राष्ट्रवादी एवीबीपी कार्यकर्ताओं को आजीवन छात्रावास निष्कासन और 30 दिन का कैंपस प्रतिबंध दिया जाता है।

CURAJ परिसर में मौजूदा प्रशासन छात्र हितों की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति कराने में विफल रहा है। छात्र वर्षों से कई समस्याओं की शिकायत करते आ रहे हैंए परंतु प्रशासन उन्हें अनसुना कर अपने निकम्मेपन को छुपाने के लिए विरोध करने वालों को ही दंडित करने में लगा है।कैंपस में मैस, सफाई, और अन्य टेंडर पूर्व निर्धारित और भ्रष्ट तरीकों से दिए जाते हैं। ठेकों के आवंटन में व्यापक भ्रष्टाचार और अनियमितताएं देखने को मिली हैं। जिसके चलते सेवाओं की गुणवत्ता गिर गई है और विश्वविद्यालय के संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है।आत्महत्या की घटनाओं पर पर्दा एवं लोकपाल रिपोर्ट की अनदेखी यह अत्यंत दुखद है कि विगत कुछ समय में विश्वविद्यालय परिसर में कुछ विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या जैसी त्रासद घटनाएं घटी हैं। इन घटनाओं के पश्चात छात्रों ने मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सुविधाओं एवं प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए थे। परंतु प्रशासन ने हर बार इन मामलों को दबाने या लीपापोती करने का प्रयास किया।

विश्वविद्यालय में नियुक्त छात्र लोकपाल (Ombudsman) द्वारा भी छात्रों की शिकायतों और समस्याओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थीए जिसमें प्रशासन हेतु सुधार के स्पष्ट निर्देश थे। किंतु आज तक उस रिपोर्ट पर कोई वास्तविक कार्रवाई नहीं की गई। इस प्रकार का गैर.जिम्मेदाराना रवैया प्रशासन की छात्र.विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। अभाविप के प्रदेश मंन्त्री जितेंद्र लोधा ने कहा कि आभाविप लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता एवं निष्पक्ष न्याय की मांग करती है। केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान का प्रशासन छात्र विरोधी, भ्रष्ट, तानाशाही प्रवृत्ति और राष्ट्रवाद विरोधी मानसिकता से ग्रसित हो चुका है। यहां की नीतियां शिक्षा शोध और बौद्धिक विमर्श की जगह दमन, भय और भेदभाव से भरी हुई हैं। यदि छात्र ही अपने अधिकारों व आवश्यकताओं को नहीं उठा सकते तो विश्वविद्यालय का अस्तित्व ही व्यर्थ हो जाता है।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक ऐसा छात्र संगठन है जो सदा से लोकतांत्रिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय हितों के प्रति समर्पित रहा है। हमारा आंदोलन सिर्फ अपने संगठन के निलंबित साथियों के लिए नहींए बल्कि परिसर के हर विद्यार्थी के न्याय और अधिकारों के लिए है। ।ठटच् यह स्पष्ट करना चाहती है कि वह परिसर में अनुशासन का सम्मान करती है परंतु अलोकतांत्रिक कानूनों एवं मनमाने दमन का कड़ा विरोध करती रही है और करती रहेगी। हम किसी भी प्रकार की अराजकता के पक्षधर नहीं किंतु जब प्रशासन ही अन्याय और तानाशाही पर उतर आए तो उसके विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से आवाज़ उठाना हमारा कर्तव्य बन जाता है। आपसे अनुरोध है कि ऐसे तुगलकी फ़रमान को वापस लिया जाये तथा छात्र कार्यकर्ताओं पर की गयी कार्यवाही को तुंरत प्रभाव से निरस्त करके निलंबन के आदेश को वापस लिया जाए एवं उपरोक्त परिस्थितियों को देखते हुए विश्वविद्यालय में तुरंत एक निष्पक्ष तथ्य.जांच समिति भेजी जाए। यह समिति बाहरी एवं स्वतन्त्र सदस्यों वाली हो जो किसी भी दबाव से मुक्त रहकर मामले की जांच करे।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने पहलगाम के शहीदों को दीश्रद्धांजलि

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर

अजमेर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान ;उच्च शिक्षा ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद 26 निर्दोष नागरिकों को सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर में एक कार्यक्रम के दौरान श्रद्धांजलि अर्पित की। कालेज के मुख्य गेट पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.नारायण लाल गुप्ता ने कहा कि यह कायराना आतंकी हमला न केवल हमारे नागरिकों पर बल्कि हमारी एकताए शांति और मानवता पर हमला है। हम उन सभी शहीदों को नमन करते हैं जो हमारी विविधता और एकता के प्रतीक थे। उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट और आतंकवाद को समर्थन देने वालों की कड़े शब्दों में निंदा की। प्रोण् गुप्ता ने देशवासियों से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने और शांति की स्थापना के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारे आंसू हमारी ताकत बनेंगे। भारत आतंक के सामने कभी नहीं झुकेगा।सभा में उपस्थित सह संगठन मंत्री प्रो. सुशील कुमार बिस्सु ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि यह हमला हमारी साझा मानवता पर हमला है। हमारी एकजुटता ही आतंकवाद का सबसे बड़ा जवाब है।महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष प्रो.मनोज कुमार बहरवाल ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और सुरक्षा बलों द्वारा उठाए जा रहे कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने विश्व नेताओं द्वारा भारत के प्रति एकजुटता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह लड़ाई सिर्फ भारत की नहींए बल्कि वैश्विक शांति की है।सभा में 150 से अधिक शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे जिन्होंने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सभी ने संकल्प लिया कि वे आतंकवाद के खिलाफ जागरूकता फैलाने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)